दूर नगरी बड़ी दूर नगरी .....

दूर नगरी बड़ी दूर नगरी ।
कैसे आऊंरे सांवरिया थारी ब्रज नगरी ।।
बड़ी दूर नगरी .....

रात में आऊं तो काना डर मोहे लागे ।
दिन में आऊं तो देखे सारी नगरी ।।
बड़ी दूर नगरी .....

इत मथुरा उत गोकुल नगरी ।
बीच बहे यमुना गहरी ।।
बड़ी दूर नगरी .....

पांव धरूं तो मोरी पायल बाजे ।
कूद पड़ूँ तो बह जाऊं सगरी ।।
बड़ी दूर नगरी .....

भर पिचकारी मोरे मुख पर मारी ।
भीग गई लंहगा चुनरी ।।
बड़ी दूर नगरी .....

केशर कीच भयो आंगन में ।
रपट पड़ी राधे गोरी ।।
बड़ी दूर नगरी .....

चन्द्र सखी भज बाल कृष्ण छबि ।
लूट लेत माखान गगरी ।।
बड़ी दूर नगरी .....